INSTITUTE LIBRARY, RIE, AJMER
NEWS CLIPPING SERVICES

दैनिक भास्कर, 30 जुलाई 2020

34 साल बाद बदली देश की शिक्षा नीति

- 5वीं तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में ही पढ़ाई करेंगे बच्चे
- साइंस-आर्ट्स संकायों में अब अंतर नहीं होगा।
- छठी से ही कोडिंग और वोकेशनल कोर्स भी शुरू हो जाएंगे।
- शिक्षा पर अब जीडीपी का 6% खर्च होगा

10+2 फॉर्मूला खत्म; अब 5+3+3+4 पैटर्न पर पढ़ाई

यानी... 12वीं तक कुल 15 साल लगेंगे, 3 साल आंगनवाड़ी या प्री स्कूलिंग में और स्कूली शिक्षा में 12 साल

▪ नई शिक्षा नीति किस सत्र से लागू होगी, इस बारे में आज नोटिफिकेशन जारी हो सकता है

नई दिल्ली | केंद्र ने बुधवार को नई शिक्षा नीति को मंजूरी दे दी। इसमें स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कई बड़े बदलाव हैं। अब स्कूली शिक्षा के लिए 10+2 फॉर्मूले के बजाय 5+3+3+4 का पैटर्न होगा। पांचवीं तक बच्चे मातृ भाषा या क्षेत्रीय भाषा में ही पढ़ेंगे। मनपसंद विषय चुनने के कई विकल्प मिलेंगे।

आर्ट्स-साइंस, करिकुलर- एक्स्ट्रा करिकुलर और व्यावसायिक-शैक्षणिक विषयों के बीच अंतर नहीं होगा। छठी से कोडिंग सिखाई जाएगी। छठी कक्षा से ही व्यावसायिक शिक्षा शुरू हो जाएगी। इसमें इंटर्नशिप शामिल होगी। भारत ने 34 साल बाद शिक्षा नीति बदली है। इससे पहले तत्कालीन पीएम राजीव गांधी ने 1986 में शिक्षा नीति बनवाई थी। नई शिक्षा नीति पर कैबिनेट बैठक में हुए फैसले की जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल ने बताया कि शिक्षा पर जीडीपी का 4.4% खर्च हो रहा है। इसे 6% किया जाएगा। नई शिक्षा नीति में मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय किया गया है।

अध्यापक के अलावा खुद छात्र व दोस्त भी करेंगे असेसमेंट

ऐसे समझिए 5+3+3+4 सिस्टम के क्या मायने?

3 साल की आंगनवाड़ी/प्री स्कूलिंग के साथ 12 साल की स्कूली शिक्षा होगी। इसे 4 वर्गों में बांटा गया है। पहले में 3-6 साल के छात्रों को प्री प्राइमरी से दूसरी तक शिक्षा दी जाएगी। दूसरे वर्ग में 3-5वीं तक सिलेबस होगा। तीसरे वर्ग में 6-8वीं तक का पाठ्यक्रम होगा। इसी दौरान सब्जेक्ट का इंट्रोडक्शन कराया जाएगा। चौथे वर्ग में नौवीं से 12वीं तक के छात्र आएंगे।

- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस:** करिकुलम नया बनेगा। असेसमेंट 3 स्तर पर होगा। **पहला-** छात्र खुद असेसमेंट करेगा। **दूसरा-** उसके साथी भी असेसमेंट करेंगे। **तीसरा-** अध्यापक असेसमेंट करेंगे। 12वीं पास करते समय पूरी स्कूली शिक्षा का असेसमेंट एआई के जरिए तैयार होगा।
- **छठी से ही इंटर्नशिप:** ताकि शुरू से व्यावसायिक शिक्षा शुरू हो जाएगी।
- **3.5 करोड़ नई सीटें:** ताकि उच्च शिक्षा से ज्यादा से ज्यादा बच्चे जुड़ सकें।
- **अपना पाठ्यक्रम भी:** अंडर ग्रेजुएट कॉलेज अब और ज्यादा स्वायत्त बनाए जाएंगे। वे सिलेबस और करिकुलम भी तय कर सकते हैं। मान्यता देने का सिस्टम 15 साल में खत्म होगा।
- **बीएड कॉलेज बंद होंगे:** चार साल का बीएड कोर्स होगा। बीएड कॉलेज बंद होंगे। सामान्य कॉलेज से ही बीएड होगा।
- **नौकरी करने पर डिग्री में 1 साल की छूट:** जो नौकरी करना चाहते हैं, वे 3 साल का ही डिग्री प्रोग्राम करेंगे। एक साल के एमए के साथ 4 साल के डिग्री प्रोग्राम के बाद पीएचडी कर सकते हैं।
- **शिक्षकों का पाठ्यक्रम:** एनसीटीई अध्यापक शिक्षण के लिए पाठ्यक्रम ढांचा- एनसीएफटीई, 2021 बनाएगी।
- **विदेशी यूनिवर्सिटी आएंगी:** शीर्ष रैंकिंग वाली यूनिवर्सिटीज को ही भारत में कैंपस खोलने की इजाजत दी जाएगी।

भास्कर एक्सपर्ट
के. कस्तूरीरंगन, अध्यक्ष, ड्राफ्टिंग कमेटी

साइंस के साथ इतिहास भी पढ़ सकेंगे

नई शिक्षा नीति के तहत साइंस के छात्र इतिहास या आर्ट्स के कोई अन्य सब्जेक्ट भी पढ़ सकेंगे। अगर छात्र को इसमें दिक्कत होती है तो सब्जेक्ट ड्रॉप भी कर सकते हैं। लेकिन, पढ़ाई पूरी होने पर मुख्य सब्जेक्ट यानी आर्ट या साइंस संकाय के आधार पर ही डिग्री मिलेगी। नई शिक्षा नीति में यह बात अहम है कि अब छात्र छठी कक्षा से वोकेशनल शिक्षा के साथ अप्रेंटिस भी करेंगे। जो 12वीं के बाद काम शुरू करना चाहते हैं, उन्हें अप्रेंटिस से मिले व्यावहारिक ज्ञान से फायदा मिलेगा।